कृषि विभाग बिहार सरकार

आत्मा, प0 चम्पारण

वर्तमान स्थिति में खरीफ फसल प्रबंधन के लिए किसान भाईयो/बहनो के लिए आवश्यक सुझाव

सिंचाई प्रबंधन

1. खरीफ फसलों में कम वर्षापात की स्थिति में उपलब्ध संसाधनों द्वारा पर्याप्त सिंचाई करें । सरकार द्वारा वर्तमान मौसम को देखते हुए धान एवं मक्का के सिंचाई के लिए डीजल अनुदान की सुविधा प्रदान की गयी है. इस अनुदान का लाभ उठाकर धान एवं मक्के की फसल को बचाएँ।

2. नहर एवं नलकूप वाले क्षेत्रों में यथासंभव नहरों/नलकूपों से सिंचाई करें तथा खेतों में 2 ईंच से ज्यादा पानी नहीं लगने दें।

उर्वरक व्यवहार

1. धान/मक्का के सूखाग्रस्त खेत में किसी भी प्रकार के रसायनिक उर्वरक का प्रयोग नहीं करें।

2. सिंचाई/पटवन के एक दो दिन बाद यूरिया की 20-30 कि0ग्रा0/एकड़ की दर से फसलों में उपरिवेशन करें। पोटाश एवं फास्फेटिक उर्वरकों का प्रयोग उपरिवेशन हेतु नहीं करें।

3. विशेष परिस्थिति में यूरिया का 3 प्रतिशत (6 कि0ग्रा0 यूरिया के 200 लीटर पानी का घोल प्रति एकड़) का पर्णीय छिड़काव किया जा सकता है।

खर पतवार नियंत्रण

1. कोनोवीडर अथवा खुरपी की मदद से खर-पतवार की निकोनी पन्द्रह दिनों के अन्तराल पर दो बार करें।

कीट व्याधि नियंत्रण

1. धान की फसल में ब्लास्ट अथवा शीथ ब्लाइट रोग के लक्षण दिखाई देने पर (पत्तियों पर भूरे – हरे धब्बे) हेक्साकोनाजोल 5%E.C फफूंदीनाशक रसायन का 200-250 ml प्रति 200 लीटर पानी प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।
2. खैरा रोग के लक्षण (पत्तियों पर गहरे भूरे/लाल रंग के धब्बे) दिखाई देने पर जिंक सल्फेट तथा चूना 2 1 के अनुपात में पानी के घोल का पर्णिय छिड़काव करें।
3. भूरा एवं हरा फुदका एवं मधुआ कीट के नियंत्रण हेतु इमीडाक्लोप्रीड 17.8% SL का प्रयोग 100 ml /200 लीटर पानी के घोल का प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।

आकस्मिक योजना

1. ऊंची भूमी पर किसान भाई अभी मक्का एवं अरहर फसल की बुवाई कर सकते है।

नोट :– अधिक जानकारी के लिए किसान भाई अपने क्षेत्र के किसान सलाहकार / विषय वस्तु विशेषज्ञ (SMS) अथवा 18001801551 (टोल फ्री) / 1551 / 534351 / 9431488038 नम्बरों पर दूरभाष से संपर्क कर सकते है।

परियोजना निदेशक, आत्मा
–सह–
जिला कृषि पदाधिकारी, प0 चम्पारण।

जिला पदाधिकारी
–सह–
अध्यक्ष, आत्मा, प0 चम्पारण।